हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

¼Li'k½¼ikB 3½¼cpsUnh iky & **एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा**½

¼d{kk 9½

प्रश्न अभ्यास

[kM & d

प्रश्न 1%

नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा ?

mRrj 1%

लेखिका ने जब पहली बार नमचे बाजार पहुँचकर एवरेस्ट को नजदीक से देखा तो उसे वह एक भारी बर्फ का फूल (प्लूम) जैसा दिखा जो पर्वत–शिखर पर लहराते एक ध्वज सा लग रहा था ।

प्रश्न 2%

डॉ मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दीं ?

mRrj 2%

डॉ मीनू मेहता ने दल को अल्यूमीनियम की सीढ़ियों से पुल बनाने लठ्ठों और रस्सियों की मदद से बर्फ की दीवारों पर रस्सियों को बाँधने तथा अन्य छोटी–मोटी जानकारियाँ दीं जो कि उन्हें आगे के सफर में उपयोगी होने वाली थीं ।

प्रश्न 3%

तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ़ में क्या कहा ?

mRrj 3%

तेनजिंग ने लेखिका के कंधे पर हाथ रखकर उसका उत्साह बढ़ाया और तारीफ़ करते हुए कहा कि '' तुम एक पर्वतीय लड़की हो तुम्हें तो पहले ही प्रयास में शिखर पर पहुँच जाना चाहिए। ''

प्रश्न 4%

लेखिका को किनके साथ चढ़ाई करनी थी ?

mRrj 4%

लेखिका को अंगदोरजी के साथ चढ़ाई करनी थी , यह अंगदोरजी का दूसरा प्रयास था और वह बिना ऑक्सीजन के ही चढ़ाई करने वाला था ।

प्रश्न 5%

लोपसांग ने तंबू का रास्ता कैसे साफ किया ?

mRrj 5%

लोपसांग ने अपनी स्विस छुरी की मदद से तंबू का रास्ता साफ और वह इस कार्य में अपने पहले प्रयास में ही सफल हो गया ।

प्रश्न 6%

साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की ?

mRrj 6%

साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका सुबह चार बजे ही उठ गई , उसने बर्फ पिघलाकर चाय बनाई उसने चाय के साथ कुछ बिस्किट आधी चॉकलेट तथा हल्का नाश्ता किया उसके बाद लगभग साढ़े पाँच बजे वह चढ़ाई करने के लिए तंबू से निकल पड़ी ।

[kM & [k

प्रश्न 1%
उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया ?
mRrj 1%
उपनेता प्रेमचंद ने अभियान दल को मार्ग की सबसे मार्ग की सबसे बड़ी बाधा खुंबु हिमपात की भयंकर स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने पुल बनाने , रस्सियों को बाँधने , रास्ते को चिह्नित करने तथा अन्य कठिनाइयों की जानकारी दी । कैंप के एक तरफ का रास्ता साफ किया और ग्लेशियर की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि यह एक बर्फ की नदी है । यहाँ समय–समय पर हिमपात भी होते रहते हैं ।

प्रश्न 2%
हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या–क्या परिवर्तन होते रहते हैं ?
mRrj 2%
हिमपात बर्फ के बड़े–बड़े खंडों का गिरने को कहते हैं जिसके कारण ग्लेशियर बनते हैं इसके कारण मौसम में काफी बदलाव आ जाता है , बनाये गये रास्ते बंद हो जाया करते हैं और फिर से नये रास्तों का निर्माण करना होता है ।

प्रश्न 3%
लेखिका ने तंबू में गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन किस प्रकार किया है ?
mRrj 3%
लेखिका ने तंबू पर गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन बड़े ही रोचक ढंग से करते हुए बताया कि जब बह तंबू में सो रही थी एक धमाके की आवाज के साथ वह जागी और कोई भारी सी ठंडी वस्तु उससे टकराती हुई निकल गई । लेखिका की किस्मत अच्छी थी कि उसको कुछ नहीं हुआ मगर तंबू पूरी तरह नष्ट हो गया ।

प्रश्न 4%
जय लेखिका को देखकर हक्का–बक्का क्यों रह गया ?
mRrj 4%
जय लेखिका के जोखिम भरे हौंसले को देखकर हक्का–बक्का रह गया जब उसने देखा कि किस प्रकार लेखिका अपने बर्फीले कैंप से बाहर निकलकर अपनी जान को जोखिम में डालकर कई फिट नीचे उतरकर अपने साथियों के लिए चाय देकर आई ।

प्रश्न 5%

एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए ? उनका वर्णन कीजिए।

mRrj 5%

एवरेस्ट पर चढ़ाई करने के लिए कुल पाँच कैंप बनाए गए जिनका वर्णन इस प्रकार है ।

1 कैंप–एक यह बेस कैंप था और लगभग 6000 मी0 की ऊँचाई पर था ।

2 कैंप–दो यह चढ़ाई के रास्तें में बनाया गया था ।

3 कैंप–तीन इस कैंप को ल्होत्से की बर्फीली सीधी ढलान लगाया गया था ।

4 कैंप–चार इस कैंप को कोल नामक स्थान पर 7900 मीटर की उँचाई पर लगाया गया था ।

5 शिखर–कैंप यह अंतिम कैंप था इस कैंप को एवरेस्ट की चोटी से दो हजार मीटर नीचे लगाया गया था जहाँ से एवरेस्ट को साफ–साफ देखा जा सकता था ।

प्रश्न 6%

चढ़ाई के समय एवरेस्ट की स्थिति कैसी थी ?

mRrj 6%

एवरेस्ट की चोटी एक शंकु के समान थी और वहाँ इतनी जगह नहीं थी कि दो लोग एक साथ खड़े हो सकें । ऐसे में चढ़ाई के समय स्थिति बहुत ही डरावनी थी , चारों ओर लंबी सीधी ढलान थी ऐसे खुद को संभालते हुए चढ़ना बहुत ही कठिन कार्य था ।

प्रश्न 7%

सम्मिलित अभियान में सहयोग और सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है ?

mRrj 7%

साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अपने साथियों की सहायता करने का निर्णय लिया उसने उनकी सहायता करने के लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं की । उनकी सहायता करने के लिए उसने भयंकर बर्फीले तूफान की भी परवाह नहीं की । उसके इसी कार्य से अपने सहयागियों के प्रति सहयोग की भावना का परिचय मिलता है ।

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

¼Li'kZ½¼ikB 3½¼cpsanh iky & एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा½

¼d{kk 9½

[k.M & x

आशय Li"V dhft,

1-

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी–कभी तो मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए।

mRrj 1%

एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊँची चोंटी है । इस चोटी तक पहुँचना बहुत ही जोखिम भरा और कभी–कभी तो जानलेवा भी हो सकता है सपाट और सीधी ढलान पर बड़ी ही सावधानी से चढ़ना पड़ता है । जरा सी चूक का मतलब होता है सीधी मौत अगर कोई सोचे कि वह बिना जोखिम के ही एवरेस्ट पर चढ़ सकता है तो उसका यह सोचना गलत है और इस पर चढ़ना एक महान उपलब्धि है और किसी भी पर्वतारोही के लिए यह एक आदर्श उदाहरण है ।

2-

सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे–चौड़े हिम–विद में बदल जाने का मात्र खयाल ही बहुत डरावना था । इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रयास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों का प्रतिदिन छूता रहेगा ।

mRrj 2%

बचेंद्री पाल को चढ़ाई करने से पहले ही हिमपात और रास्ते में आने वाली कठिनाइयों के बारे में बता दिया गया था । हिमपात के कारण वातावरण में अनिश्चित परिवर्तन होते रहते हैं पर्वतारोहण के समय यहाँ का वतावरण बहुत ही डरावना होता है सपाट धरातल पर भी कभी–कभी दरार पड़ जाती है और यह दरार एक गहरी खाई में भी बदल सकती है यह सोचकर भी डर लगता है । लेखिका को इस बात का आभास था उसको और उसके साथियों को इस प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा फिर भी उसने अपनी वीरता का परिचय देते हुए एवरेस्ट जैसी चोटी पर चढ़कर विजय प्राप्त की ।

3-

बिना उठे ही मैंने अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालीसा निकाला । मैंने इनको अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा , छोटी सी पूजा–अर्चना की और इनको बर्फ में दबा दिया । आनंद के इस छण में मुझे अपने माता–पिता का ध्यान आया ।

mRrj 3%

लेखिका जब एवरेस्ट की चोटी पर पहुँची तब उसकी खुशी का कोई ठिकाना न रहा ईश्वर को धन्यवाद देते हुए अपने संस्कारों के अनुरूप उसने छोटी सी पूजा की देवी माँ के चित्र और हनुमान चालीसा का पाठ करके उसे अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटकर उन्हें बर्फ में दबाकर अपने आराध्य की वहाँ स्थापना की अपने माता–पिता को नमन किया एक पर्वतारोही के लिए इससे बड़ी को उपलब्धि नहीं हो सकती थी , क्योंकि उसने संसार की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर विजय प्राप्त कर ली थी ।